निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़कर दिए गए प्रश्नों के अत्यंत संक्षेप में उत्तर लिखिए – 5

रस्सी कच्चे धागे की खींच रही है नाव।
जाने कब सुन मेरी पुकार, करें देव भव सागर पार।।
पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे
जी में उठती रह-रह हूक, धर जाने की चाह है मेरे।।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए ½+½=1

(ख) 'रस्सी' शब्द यहाँ किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और वह कैसी है? 2

(ग) 'घर जाने की चाह' से क्या तात्पर्य है? 1

(घ) 'मुक्ति' के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं? 1

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर अत्यंत संक्षेप में लिखिए। **5**

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।
सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह!
जेब टटोली, कौड़ी न पाई।
माझी को दूँ क्या उतराई?

(i) 'गई न सीधी राह ' से क्या तात्पर्य है ? 1

(ii) कवयित्री ने अपना दिन कैसे बिता दिया ? 1

(iii) 'माझी' किसे कहा गया है ? 1

(iv) 'सुषुम-सेतु' का क्या अर्थ है ? 1

(v) 'जेब टटोलना ' से क्या अभिप्राय है ? 1